प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,
आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 08.07.2024 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश की पांच नदियां खतरे के निशान से ऊपर पहुंची : सैकड़ों एकड़ फसल हुई जलमग्न, प्रशासन राहत कार्य में जुटा।
2. सुप्रीम कोर्ट ने आज नीट परीक्षा मामले पर सुनवाई करते हुए सीबीआई से अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगी : 11 जुलाई को होगी मामले में अगली सुनवाई।
3. प्रदेश सरकार ने 100 वर्ष पुराने 28 प्रजातियों के 948 पेड़ों को घोषित किया विरासत वृक्ष : वृक्षारोपण जन अभियान के तहत 11 जनपदों में तैयार होगी विरासत वृक्ष वाटिका।

और

4. सरकार ने एडवाइजरी जारी कर कांवड़ यात्रा के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर लगाई रोक : यात्रा के मार्गों पर शराब और मांस की दुकानें रहेंगी बंद।

————————

प्रदेश में रूक–रूक कर हो रही बारिश और अलग–अलग बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश की पांच नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसस बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मुताबिक गंगा नदी बदायूं, शारदा लखीमपुर खीरी, राप्ती श्रावस्ती और बलरामपुर, बूढ़ी राप्ती सिद्धार्थनगर और

क्वानो गोण्डा में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। शारदा और क्वानो नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। वहीं अन्य नदियों का जलस्तर स्थिर बताया जा रहा है। इसके अलावा सरयू, घाघरा और गंडक नदी भी खतरे के निशान से महज आधा मीटर नीचे बह रही हैं।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से पलिया तहसील क्षेत्र में खीरी–पीलीभीत बॉर्डर पर बसे गोविंद नगर गांव में पानी पहुंच गया है। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने गांव में फंसे परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। सदर तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बड़ागांव, धोबियाना और सिंधिया में एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह और तहसीलदार सुशील प्रताप सिंह ने दौरा किया और लेखपाल को बाढ़ से प्रभावित फसल और घर का सर्वे करने के निर्देश दिए।

अयोध्या में सरयू का जल स्तर प्रति घंटे एक सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है। जनपद के तटीय क्षेत्रों में प्रशासन ने सतर्कता बरतना शुरू कर दिया है।

बस्ती जिले में नेपाल से पानी छोड़ जाने के बाद घाघरा का जलस्तर बढ़ने से दर्जनों गांवों में फसल जलमग्न हो गई है। घाघरा नदी प्रति घंटे एक सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रही है। बाढ़ खण्ड के अधिकारी बांधा पर कैंप किए हुए ह। साथ ही बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है।

भारी बारिश और बिजनौर बैराज से एक लाख 34 हज़ार क्यूसेक पानो छोड़े जाने से अमरोहा में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जिससे आसपास के गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। शीशोवाली गांव के निकट कच्चा बांध बह जाने से 5 गावों का संपर्क टूट गया है। ज़िला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पीलीभीत में शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से जनपद में सड़कें और रेल ट्रैक क्षतिग्रस्त होने से आवागमन बाधित हुआ है। गावों से लेकर शहर, कस्बों तक जल भराव हुआ है। जिले में आठवीं तक के स्कूल आज बंद रहे। पेश है हमारे प्रतिनिधि रिपोर्ट.....

भारी बरसात और बैराजों से काफी अधिक पानी छोड़े जाने से पीलीभीत शहर और ट्रांस शारदा क्षेत्र में कई गांवों में जलभराव हो गया और लोग निचली बस्तियों में फंस गए। पुलिस ने एनडीआरएफ और एसएसबी की मदद से संयुक्त अभियान चलाकर हजारा क्षेत्र से 257 और रामनगरा से एक हजार दो सौ लोगों को रेस्क्यू करके सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। पुलिस द्वारा पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित की गई और मुनादी कराकर लोगों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की अपील की गई। बाढ़ से घर, फसलों और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। कई मार्गों पर आवागमन ठप है। संचार और विद्युत व्यवस्था भी चरमरा गई है। पीलीभीत शाहगढ़ रेल प्रखंड पर पुल बह जाने से पीलीभीत–लखनऊ रूट की सभी ट्रेनें निरस्त कर दी गईं जबकि कई जगह रेल ट्रैक व पुलों पर पानी बढ़ने से टनकपुर रूट की पांच एक्सप्रेस और 3 सवारी गाड़ियां निरस्त कर दी गईं। सतीश मिश्र, आकाशवाणी समाचार पीलीभीत।

प्रदेश में बीते 24 घंटों में सर्वाधिक 112 दशमलव चार मिलीमीटर बारिश लखीमपुर खीरी में दर्ज की गई है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले दो दिनों तक प्रदेश के पूर्वी और कुछ पश्चिमी इलाकां में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। विभाग की ओर से बहराइच, श्रावस्ती, गोण्डा बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर और देवरिया में कल बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

———————

सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा मामले पर सुनवाई करते हुए सीबीआई से अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, यह तो स्पष्ट है। अगर परीक्षा वाले दिन ही बच्चों को पेपर मिला और उसे याद किया गया, इसका मतलब पेपर केवल स्थानीय स्तर पर ही लीक हुआ था। लेकिन अगर हमें यह पता नहीं चलता कि कितने स्टूडेंट इसमें शामिल थे, तब दोबारा परीक्षा का आदेश देना पड़ेगा। इस मामले की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें यह भी देखना होगा कि पेपर लीक कैसे हुआ। अगर सोशल मीडिया के जरिए हुआ, इसका मतलब व्यापक पैमाने पर

पेपर लीक हुआ होगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम जानना चाहते हैं कि पेपर सेटिंग की पूरी प्रक्रिया क्या होती है। प्रिंटिंग प्रेस में कैसे और किसके साथ भेजा गया। प्रेस से बैंक में कैसे भेजा गया। इससे पता लगाने में आसानी होगी कि पेपर कहां से लीक हुआ। कोर्ट ने कहा कि पेपर लीक हुआ है, इसमें दो राय नहीं है। अब यह देखना है कि यह कैसे हुआ है और कितना हुआ ह।

चीफ जस्टिस ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि अगर परीक्षा कैंसल नहीं होती तो धांधली से पास हुए स्टूडेंट्स को कैसे चिन्हित करेंगे। चीफ जस्टिस ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि आप सरकार से पूछ कर बताइए क्या हम साइबर फोरेंसिक विभाग में डेटा एनालिटिक्स प्रोग्राम के माध्यम से सच पता नहीं लगा सकते हैं क्योंकि हमें यह पहचानना है कि क्या पूरी परीक्षा प्रभावित हुई है। क्या गलत करने वालों की पहचान संभव है। उस स्थिति में केवल उन छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा का आदेश दिया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ कुल 38 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इससे पहले, शीर्ष अदालत के समक्ष दायर एक हलफनामे में, केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी–एनटीए ने कहा था कि परीक्षा में अनियमितताओं के किसी भी सबूत के अभाव में परीक्षा

दोबारा आयोजित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। नई परीक्षा से लाखों वास्तविक उम्मीदवार प्रभावित होंगे।

————————

बक

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं। ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

प्रादेशिक समाचारों के इस बुलेटिन में आपका फिर से स्वागत है।

————————

प्रदेश सरकार विरासत वृक्ष अंगीकरण योजना के तहत प्रदेश के 948 विरासत वृक्षों को संरक्षित करेगी। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने गैर वन क्षेत्र पर स्थित सौ वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों के पेड़ों को विरासत वृक्ष घोषित किया है। इनमें अरु, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील. कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू व तुमाल के पेड़ शामिल हैं। इसमें बरगद

प्रजाति के 363 और पीपल प्रजाति के 422 वृक्ष हैं। यह वृक्ष प्रदेश के सभी 75 जनपदों में हैं। काशी में सर्वाधिक 99, प्रयागराज में 53, हरदोई में 37, गाजीपुर में 35 व उन्नाव में विभिन्न प्रजातियों के 34 विरासत वृक्ष हैं।

इसके साथ ही वृक्षारोपण जन अभियान–2024 के तहत प्रदेशवासियों को चिह्नित विरासत वृक्षों क प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 11 जनपदों में विरासत वृक्ष वाटिका तैयार की जाएगी। यह वाटिका गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, बरेली, मथुरा, सीतापुर, चित्रकूट व मिर्जापुर में तैयार होगी। हर वाटिका में विरासत वृक्ष से तैयार पौधे अनिवार्य रूप से लगाए जाएंगे।

————————

प्रदेश सरकार न कांवड़ यात्रा के संबंध में एडवाइजरी जारी कर हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगाई है। सरकार की एडवाइजरी के अनुसार, 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे और धार्मिक गाने तय सीमा के भीतर बजाए जाएंगे। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि यात्रा के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यात्रा शुरू होने वाले मार्गों पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके अलावा 21 जुलाई की मध्यरात्रि से दिल्ली एक्सप्रेस वे, देहरादून एक्सप्रेस वे और चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

———————————

राज्य सरकार पौधरोपण जन अभियान दो हजार चौबीस के अन्तर्गत पड़ोसी देश नेपाल और सीमावर्ती राज्यों से सटे प्रदेश के जिलों में मित्र वन बसायेगी। इसके लिये पैंतीस वन प्रभागों का चयन किया गया है। सीमावर्ती जिलों में पौधरोपण कार्यक्रम के लिये वन विभाग की तरफ से तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। प्रदेश में हरियाली बढ़ाने के लिये इस साल पैंतीस करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है।

———————————

नीति आयोग की ओर से चलाए जा रहे सम्पूर्णता अभियान के तहत आज भदोही के आकांक्षी ब्लॉक औराई में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी विशाल सिंह ने कहा कि ब्लॉक में शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिये सौ दिनों तक अभियान चलेगा। वहीं चन्दौली के आकांक्षी विकास खण्ड चहनियां में आज सम्पूर्णता अभियान की शुरूआत की गई।

———————————